फायदेमंद शौचालय निर्माण में बाधा

बिहार के सुपौल जिलार्न्तगत सुपौल प्रखंड के पांच पंचायतों का चयन मेघ पाईन अभियान के तहत ग्राम्यषील ने किया। उसमें से एक पंचायत पिपराखुर्द है जो कोषी बांध से सटा हुआ है, इस पंचायत में चार राजस्व गांव है, जिसका एक गांव चकडुमरिया है।

इस गांव में जब मेघ पाईन अभियान के दूसरे चरण का कार्य आरंभ किया गया तो उस गांव का सर्वेक्षण किया गया। जल विकास समिति का गठन हेतु टोला स्तर पर बैठक का आयोजन किया गया, और मेघ पाईन अभियान के सोच को अभियान कार्यकर्ता द्वारा रखा गया। इन सारी बातों को सुनने के लिये एक भी व्यक्ति तैयार नहीं थे, यहां तक की अभियान कार्यकर्ता को लोंगों की तरफ से डांट, फटकार कर भगा दिया गया। उसी वक्त श्री विनोद शर्मा जो एक पैर से विकलांग है ने कहा कि आप हमारे दरबाजे पर चलिये और बैठक कीजिए एवं जल विकास समिति का गठन कीजिए और मैं आपको पूर्ण रुप से सहयोग करुंगा। उसी समय बैठक किया गया और जल विकास समिति का गठन हुआ एवं उसका संयोजक श्री विनोद शर्मा को बनाया गया। तब से उन्होंने मेघ पाईन अभियान की सारी गतिविधियों में मदद किया।

मेघ पाईन अभियान के तृतीय चरण में फायदेमंद शौचालय बनाने की बात आई तो अभियान कार्यकर्ता ने इस पर सोचा की फायदेमंद शौचालय के लिऐ वैसे व्यक्ति को चुनना चाहिए जो इसका सही तरह से उपयोग, रखरखाव एवं लोगों तक फायदेमंद शौचालय का संवाद पहुंचा सके। इसके लिये संस्था स्तर पर लाभार्थियों की दम्पति के साथ संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। ताकि उसकी भावना भी टटोल ली जाय एवं ग्राम्यषील परिसर में बने फायदेमंद शौचालय को दिखाया जा सके। अभियान कार्यकर्ता ने पिपराखुर्द पंचायत से दो लोगों का चयन किया, जिसमें छपकाही के श्री अनिल कुमार सिंह व चकडुमरिया के श्री विनोद शर्मा। संस्था स्तर पर आयोजित बैठक में श्री विनोद शर्मा की पत्नी नहीं आई क्योंकि उसके घर में बच्चा का जन्म हुआ था। संस्था के वरीय सदस्य पूर्व निर्णय को देखते हुए श्री विनोद शर्मा को चयन करने के लिये तैयार नहीं थे, लेकिन अभियान के पंचायत कार्यकर्ता ने दवाव डालकर श्री विनोद शर्मा को लाभार्थी रुप में चयन किया।

फायदेमंद शौचालय के निर्माण के लिये श्री शर्मा के यहां भी समाग्री गिराई गई। पीलर व प्लेटफॉर्म बनाया गया। इसके उपरांत फायदेमंद शौचालय के अन्य कार्य को आगे बढाने में श्री शर्मा आनाकानी शुरु कर दिया। उनकी धारणा थी कि हारकर अभियान के लोग शेष काम पूरा कर देंगे। अभियान कार्यकर्ता द्वारा लगातार उनसे संपर्क किया जा रहा है, लेकिन वह इसे टालता जा रहा है। अभियान कार्यकर्ता श्री शर्मा के आर्थिक स्थिति व व्यवहार से भलिभांति परिचित है। अभियान कार्यकर्ता किसी भी शर्त पर पूरा खर्च देने के लिये तैयार नहीं है। श्री शर्मा पर लगातार दवाव है। संस्था कार्यकर्ता अन्य पंचायतों की तरह उन्हें किसी भी प्रकार की विषेष रियायत देने के पक्ष में नहीं है। सितम्बर माह के अन्त में लोगों को बैठाकर उनपर दवाव डालने का कार्य किया गया है। ग्राम्यषील सचिव ने भी उनसे यथाषीघ्र कार्य पूरा करने को कहा है। उन्होंने विधान सभा चुनाव उपरांत कार्य पूरा करने का वचन दिया है। यदि ऐसा नहीं होता है तो नवम्बर के प्रथम सप्ताह में श्री शर्मा के बगल में दूसरे लाभार्थी के यहां फायदेमंद शौचालय का निर्माण कर दिया जाएगा।